प्रश्न - इसके वचनों से हमें क्या करना चाहिये और हम क्या हो जाते हैं । परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया । **यूहन्ना १:१२**

क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लोगा, वह उद्धार पाएगा।

जिस के पास पुत्र है, उसके पास जीवन है, और जिस के पास परमेश्वर का पुत्र नही, उसके पास जीवन भी नहीं।

कि तुम जानो, कि अनन्त जीवन तुम्हारा है.... १यूहन्ना ५:१२,१३

यीशु ने कहा, मैं तुम से सच सच कहता है, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन पाता है। और उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु वह मृत्यु के पार होकर होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है। यूहन्ना ५:२४.

चुनाव आपका है: अभी अनन्त जीवना पाने के लिये और यीशु मसीह को उध्दारकता स्वीकार कर ने के लिए, परमेश्वर को एसे कहियेः।

* सर्वेत न्नत प्रभु मेरे सोच में बोलने और काम में आपके खिलाफ पाप किया है। मैं उसके लिए क्षमा माँगता हूँ और मैं चाहता हूँ कि यीशु मसीह सकी पापों कोभगादे अब मैं स्वीकार करता हूँ कि थीशु मसीह तेरे उदारकर्ता और मेरे भगवान और मैं तुम्हें यीशु बुलाचा हूँ कि मेरी रक्षा करे मेरे पापों को और आग की झील से, मेरी मृत्यु के बाद मुझे स्वर्ग ले जाये और अभी मुझे अनन्त जीवन दें मैं अभी
* मेरे हृदय का द्वार और जीवन तुम्हारे लिऐ खोलूंगा। भगवान यीशु, मेरा उद्धार करने के लिऐ आयें, मेरे मित्र और मेरा परमेश्वर बनने केलिये हमेशा के लिए यीशु के नाम से, आमीन।

हस्तार.....हूँ, दिनांक.....

यीशु ने कहा, और मैं उन्हेंअनन्त जीवन देता हूँ, और व कभी नाश न होंगे. यूहन्ना १०.२८

प्रश्न१: क्या आपने यीशु मसीह से आपके पापों को क्षमा करने के लिये कहा? क्या आप ईमानदार थे? रोमियों१०:१३ के अनुसार परमेश्वर क्या कहता है कि आप अब हैं? आप किससे बचाए गेये हैं। यदि आप अभी मर गाये तो आप कहाँ जाएंगे? क्यों? अब आप बज गये हैं, कतो क्या आप सोचते हैं कि आप अनन्त जीवन को खो सकते हैं?

देखे यूहन्ना १०:२८(ऊपर), कया र्थ भी नाशा न होना?

कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकर करे और अपने मन में विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उध्दार पाएगा. रोमियों १०.९

प्रश्न२: परमेश्वर को बेहतर कैसे जनओगे? प्रतिदिन बाइबिल कि अध्ययन करें (१पतरस २:२) परमेश्वर से वार्तालप करो। दूसरों को बताओ कि केले यीशु बयाहेगा वपतिस्मा पाएं प्रेरितों के काम। १०:४७-४८ किसी को बनाओ कि तुम यंग हुएं (रोमियों १०:१) और विनय के साथ यीशु में जीयेा अगर आपने यहा निणय कर लिया कि यीशु मसीह अपका उद्धारकतो है। कृपया निम्नलिखित पते पर लिखे,हत आपको साहित्य, भेजेंगे ताकि प्रकृ यीशु के बारे में और बेहतर जान लें।

गुडव्यूज बाइबिल कालेज- पी.ओ.बक्स - १६८४
सिकन्दराबाद - ५०० ००३. आंधृ प्रदेश

रुकिये!

और सोचो अनन्त जीवन कहां बिताओगे?

परमेश्वर का तोहफा अनन्त जीवन !

क्या आप को मिला है?

यीशु ने कहा, ''हे सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे हुए लोगे, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मत्ती ११:२८

जब तक यहोवा मिल सकता है, तब तक उसकी खोज में रहो, जब तक वह निकट है तब तक उसे पुकारा। दुष्ट अपनी चालचलन और अनर्थकारी अपने सोच विचार छोड़कर यहोव ही की ओर फिरे, वह उस पर दया करेगा, वह हमारे परमेश्वर की ओर फिरे और वह पूरी रीति से उसको क्षमा करेगा। यशायह ५५:६,७.

कैसे यकीन हो कि हमें अनंत जीवन मिला है?
हमें भाच (४) चीजें मालूम होनी चाहियें

पाप, परमेश्वर के नियम - बाइबिल का उल्लंघन करना है

1.सभी पापी है।

***इस लिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।** **रामियों ३:२३**

पाप

पहले आहम रखना

परमेंश्वर से अलग

परमेश्वर के सिद्ध सत्र से रहित

*परमेश्वर की पवित्रता की तुलना में हम सभी महन पापी हैं।
प्र१) आप चाहते है कि बाईबिल का परमेश्वर आपका परमेश्वर हो।
प्र२) आप चाहते है पाप से फिरकर परमेश्वार की ओर आएं (परचाताप)

2 पाप की सजा मृत्यु है।

क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का बरदान हमारे प्रन्भु मसीह यीसु में अनन्त जीवन है। रोमियों ३:२३
और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए, यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है। प्रकाशितवाक्य २०:१४

स्पष्टीकरण : इसलिए कि हम तकी पापी है, परमेश्वर का कानून कहता है, कि हम सब मृत्यु की ओर, बढ़ रहे है, और आग की झील। यह अशुभ समाचार है। आप न मैं आग की झील की ओर जाना चाहते हैं। क्या कोई मार्ग है? हां है, परमेश्वर हमें अनंत जीवन मुफ्त तोहफे में देना चाहते हैं। जो हमें यीशु मसीह के द्वारा प्राप्त होगा। न अच्छे कोमों न या कोई धर्म से।

मृत्यु

जब हमारा शरीर मृत होगा

क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उध्दर हुआ है, और यह तुम्हारी ओर स नहीं वरन परमेश्वर का दान है। और न कार्यों के कारण, ऐसा न हो कि कोई धमण्ड करे। - इफिसियों २:८,९

यह तोहफा मुफ्त में है लेना हैतो लो या फिर छोड़ दो,
अनन्त जीवन का अर्थ है परमेश्वर को अभी व्यक्तिगत रूप से जानना, और मृत्यु के बाद स्वर्ग में जाना। इसलिये परमेश्वर का कानून कहता है कि हमें आग की झील में जाना चाहिये, परन्तु परमेश्वर का प्रेम चाहता है, कि हम स्वर्ग में जाए। यह देखें कि परमेश्वर ने कैसे परमेश्वर ने तुम्हें मुफ्त में क्षमा और अनन्त जीवन उपलब्ध किया।

3. यीशु ने हमारी सब सजाएं ले लीं।

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति। से प्रगट ता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा। रोमियों ५-८

यीशु सभी लोगों का उध्दारकर्ता है।
अब वह आपके लिये उपलब्ध है।

सूचना :- परमेश्वर ने हमारे सब भूत, भविष्य और वर्तमान के पापों की लिया और उसे यीशु के ऊपर रखा।

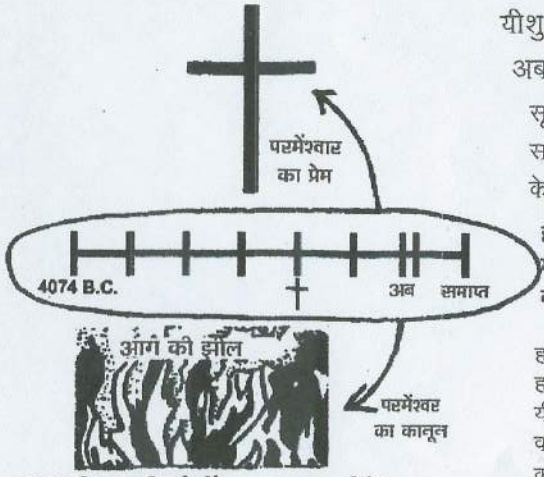

हम में से हर, एक ने अपना अपना मार्ग लिया और यहोवा ने हम सभों के अधक का बोझ उसी पर लाद दिया। यशायह ५३:६

हमें आग की झील में डालने के बजाए, यीशु ने हमारी सारी सजा क्रूस पर उठा ली।
यीशु हमारे ही अपराधों के कारण धयल किया गया वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया। यशायाह ५३:५

अब यीशु सभी लोगों का उद्धारकर्ता है।
स्वर्ग का द्वार अब खुला हैसकी को प्रन्वेश है।
लेकिन कैसे हम स्वर्ग के पन्वेश ले सकते है?
वे जो

4. अ) यीशु मसीह पर विश्वास रखते हैं कि।
- **वो परमेश्वर का पुत्र है।**
- **वो हमारे पापों के लिये (हमारी जगह)**
- **मृतकों में जी उठा और फिर**

आ) यीशुमसीह को अपना उद्धारकर्ता मानकर स्वीकार करते हैं?

और अभी हमें मुफ्त में क्षमा और अनन्त जीवन दिया हैइसका मतलब हैकि आपने यीशु को स्वीकार है, रकत बलिदान, तुम्हारे पापों का दंड क्रूस पर चुकाया है। क्योंकि यीशु अकेला है जो आपको बचा सकता, ना, कि तुम्हारे अच्छे कार्य या कोई धर्म।-

हमें इसपर विश्वास है डुक्योंकि परमेश्वर ने हमें बाईबिल में कई वायदे दिये हैं